CLASS-7

SUBJECT-2nd LANGUAGE HINDI

CHAPTER-4

TOPIC-मेरी नॉर्वे यात्रा

WORKSHEET

सार

- मनुष्य के लिए यात्रा करना आनंददायक और ज्ञानवर्धक रहा है ।प्रस्तुतपाठ में लेखक ने नॉर्वे तथा उसकी राजधानी ओस्लो का विस्तृत वर्णन किया है।
- लेखक का प्रिय विषय भूगोल था। वे एशिया और यूरोप का नक्शा बिना मानचित्र देखें बना लिया करते थे। उन्हें स्कैंडिनेविया का नक्शा बहुत कलात्मक लगता था। उन्होंने उत्तरी ध्रुव के पास एक ऐसे देश के बारे में सुना था, जहाँ छह महीने का दिन होता है और छह महीने की रात । आधी रात को भी वहाँ सूरज चमकता है। बर्फ पर चलने वाली बिना पहिए की गाड़ी को कुत्ते खींचते हैं। वहां हजारों की संख्या में रेनडियर और भालू भी पाए जाते हैं।
- लेखक विमान से डेनमार्क की राजधानी को पेनहेगन से नॉर्वे की राजधानी ओस्लो की तरफ आते हुए रोमांच का अनुभव कर रहे थे।
- लेखक रात के दस बजे ओस्लो पहुँचते हैं, उस समय चमकती सुहावनी धूप देख कर आश्चर्य चकित होते हैं।दाहिने तरफ स्थित 'ओस्लो फीयोर्ड' समुद्र विदेशी व्यापार के लिए जाना जाता है इसलिए नॉर्वेजियन इसे सागरद्वार भी कहते हैं।बड़े-बड़े स्टीमर, रंग-बिरंगे पालदारनावें, छोटे-छोटे यॉट्स आदि सागर को रंग उत्सव का प्रतीक बना रहे थे।
- वहाँ की हरी धरती,खुला आसमान, स्वच्छ सागर,रंग बिरंगी गाड़ियाँ किसी कुशल चितेरे की कुशल चित्रकारी का एहसास करवाती है।सीगल(कबूतर के आकार का पक्षी) झुंड में कोंई-कोंई की आवाज के साथउड़ रहे थे।
- पहाड़ियों की हल्की सी ढलान पर बसे इस शहर के सभी मकानों के आसपास बगीचा बनाने की सुंदर परंपरा है। हरी-भरी मुलायम दूब, रंग बिरंगे फूल,चैरी,आड़ू, सेब के वृक्ष, पालक,गोभी,सलाद के चौड़े पत्ते आदि सुरुचिपूर्ण दिखाई देते थे।
- ओस्लो में प्रवासी भारतीयों की संख्या 1600 से 1700 तक है। पश्चिमी दुनिया के अन्य देशों की तुलना में भारतीयों का सम्मान नॉर्वे में अधिक है।
- 20-25 वर्षो से नॉर्वे में रह रहे भारतीय मूल के एक मित्र ने लेखक को शाम के भोजन के लिए आमंत्रित किया।नॉर्वे में सब कुछ कच्चा और ठंडा खाने का रिवाज है।

- लेखक के मित्र का घर मोल्लेफास्ट नामक एक अच्छी नॉर्वेजियन बस्ती में था।लेखक के नॉर्वेजियन रहन-सहन से प्रभावित मित्र के पास जापानी वातानुकूलित कार थी जिसे जमीन के अंदर बनी गैराज में रखा गया जिसके दरवाजे एक यंत्र से खुलते तथा बंद होते थे।
- लेखक के मित्र का घर नॉर्वेजियनों की तरह सजा था। बाहर गमलों में लाल पीले फूल लगे थे ।रसोई के अलावा सब जगह कालीन बिछा था मकान का पूरा ऊपरी हिस्सा लकड़ी का बना था। अर्से बाद लेखक ने मित्र के घर में चावल, दाल ,रोटी ,आचार तथा पापड़ का आनंद लिया तथा हिंदी में बातें की।
- भोजन के बाद लेखक अपने मित्र के साथ रात 11:00 बजे घर से बाहर आए । बाहर धूप थी लेकिन सभी नॉर्वेजियन अपने अपने घरों में सो रहे थे। अतः सड़कों पर सन्नाटा था ।भारतीय पाकिस्तानी या अफ्रीकी लोग देर से भोजन करते थे तथा देर तक जागते रहते थे।
- रेस्तरां 6:00 बजे तक बंद हो जाते थे ।शाम होते ही बाजार तथा सड़कें सूनी हो जाती थी। पार्कों में कुछ लोग टहलते दिखते थे, समुद्र में बहुतसी नावें में तैरती दिखती थी।
- यहाँ जाडो के खेल बहुत लोकप्रिय हैं। कुछ लोग ओस्लो को 'स्कीइंग' यानी बर्फ में खेले जाने वाले खेलों की राजधानी भी कहते हैं।

Q1.निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

a) मानचित्र
b) विमान
c) कलात्मक
d) चितेरा
e) प्रतिष्ठा
f) भ्रम

Q2.एक शब्द में उत्तर लिखिए-

a) लेखक का प्रिय विषय क्या था?
b) विमान से धरती के छोटे-छोटे क्या दिख रहे थे?
c) नॉर्वेजियन समाज में भारतीय किस निगाह से देखे जाते हैं?
d) नॉर्वे में सब कुछ कैसा खाने का रिवाज ?
e) ओस्लो के सभी मकान कैसे थे?
f) लेखक के मित्र ने उन्हें किस लिए आमंत्रित किया?

Q3.निम्नलिखित शब्दों से वाक्यबनायें-

a) धूप
b) शाम
c) भोजन
d) अँधेरा

e) समुद्र

f) बगीचा

EXERCISES FROM THE BACK OF THE LESSON

PAGE NO-38

मौखिक-(I)-(v)

लिखित- (I)-(v)

PAGE NO-39

Q2—

I,ii,iii

Q4.सही मिलान करें....

PAGE NO—41

Q4.दिये गये शब्दों में जो सही पर्यायवाची नहीं है ,उनके सामने x का निशान लगायें ----